>

Title: Need to utilize the funds available with NGOs for the development of the country.

श्री सज्जन वर्मा (देवास): भारत के विभिन्न राज्यों में हजारों की संख्या में एन.जी.ओ. काम कर रहे हैं, शुरूआती दौर में पवित्र भावनाओं के साथ ये एन.जी.ओ. काम कर रहे थे लेकिन वर्तमान में इनमें से अधिकांश संस्थाओं द्वारा सिर्फ आर्थिक अपराध कर यह धनराशि जो केन्द्र सरकार द्वारा दी जाती है इससे समाज की भलाई कम, सदस्यों द्वारा अपने परिवार को ही सिर्फ मजबूत करने का काम किया जा रहा है।

इन एन.जी.ओ. को मेरी जानकारी के अनुसार हजारों करोड़ रूपये की राजकीय सहायता दी जा रही है, लेकिन इनमें से अधिकांश एन.जी.ओ. इस देश की राशि को दीमक की तरह चट कर रहे हैं।

अतः मेरा माननीय प्रधानमंत्री जी से अनुरोध है कि एन.जी.ओ. को दी जाने वाली हजारों करोड़ रूपये की यह धनराशि भारत की गरीबी रेखा की सूची के अंतर्गत आने वाले लाखों-करोड़ों परिवार के खाते में सीधे प्रत्येक परिवार को कम से कम 1000 रूपये या इससे कुछ अधिक राशि डाल दी जाए तो देश के गरीबों के उद्धार के लिए यह एक बड़ा कदम होगा या फिर इस हजारों करोड़ की राशि ""देश के इफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फण्ड"" में डाल दिया जाए, जिससे देश का विकास हो सके।